



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3— उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 206] नई दिल्ली, बुधवार, जून 27, 1979/आषाढ़ 6, 1901

No. 206] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 27, 1979/ASADHA 6, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जून, 1979

सा. का. नि. 406(अ).—केंद्रीय सरकार, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विस्फोटक नियम, 1940 में कतिपय संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 18 में अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से, जिससे यह राजपत्र अधिसूचना जनता को उपलब्ध कराई जाती है, 30 दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उपर निर्दिष्ट तारीख से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आपत्तियां या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, उन पर विचार किया जाएगा।

नियमों का प्रारूप

1. (1) इन नियमों का नाम विस्फोटक (संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 विस्फोटक नियम, 1940 में, नियम 83 के पश्चात्, निम्नीलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“83 क. कीर्तपय मामलों में विक्रय के लिए किसी अनुज्ञापित की आवश्यकता नहीं है,—

नियम 81 में किसी बात के होते हुए भी भारतीय बलों द्वारा विनिर्मित विस्फोटकों के विक्रय के लिए किसी अनुज्ञापित की आवश्यकता नहीं होगी ;

परन्तु यह सब होगा जब ऐसे विस्फोटकों का विक्रय या परिदान—

(क) ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) और/या फर्म/फर्मों को किया जाए, जिनके पास इस प्रकार विक्रय किए गए या परिदत्त विस्फोटकों के वर्ग और मात्रा के लिए इन नियमों के अधीन जारी की गई विधिमाम्य अनुज्ञापित हैं, और

(ख) ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) को किया जाए जो 18 वर्ष की आयु से ऊपर हैं (हैं)” ।

[सं. 2(9)/79-एम. आई]

आर. एन. घोषड़ा, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 27th June, 1979

**G.S.R. 406(E).**—The following draft of amendment to the Explosives Rules, 1940, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by Section 5 of the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884) is hereby published as required under section 18 of the said Act for the information of persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after expiry of period of 30 days from the date this Gazette Notification is made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft before the date so specified will be taken into consideration.

### DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Explosives (amendment) Rules, 1979.  
(2) They shall come into force on the date of publication in the Official Gazette.

2. In the Explosives Rules 1940, after Rule 83, the following rule shall be inserted, namely :—

“83. No licence is needed for sale in certain cases :—Notwithstanding any thing contained in rule 81, no licence shall be necessary for the sale of explosives manufactured by Indian forces ;

Provided that such explosives are sold or delivered to

(a) any person(s) and/or firms(s) who is/are in possession of a valid licence issued under these rules for the class and quantity of explosives so sold or delivered, and

(b) persons who is/are above the age of 18